

is situated the National Library, Zoological Garden etc. It has also assured the University all possible help in the matter. The University has drawn a master plan for the new campus, the cost of which has been estimated at Rs. 30 crores, approximately. In late 1981, the University has appealed to the UGC and also to the Central Government, through UGC, to allocate the University Rs. 15 crores in the Sixth Plan, Though the Sixth Plan has already passed the better part of its life, the help to University has not come forth yet. I appeal to the Government to consider this initial grant to the Calcutta University as quickly as possible, and stand by this University of national importance in its endeavour to improve and advance the system of higher education in this country.

(vii) Need for abolition of Public Schools System.

श्री रामबिलास पासवान (हाजीपुर): उपाध्यक्ष महोदय, आजादी के बाद जहां शिक्षा जगत में एकरूपता लानी चाहिए थी, उसके विपरीत असमानता में वृद्धि हुई है। आज बड़ी-बड़ी सरकारी सेवाओं में सफल होने वाले शत-प्रति-शत उम्मीदवार पब्लिक स्कूलों के छात्र होते हैं। केंद्रीय विद्यालयों का स्तर भी अच्छा है, लेकिन उनकी संख्या नगण्य है। पब्लिक स्कूल इतने बंधेंगे हैं कि कोई साधारण व्यक्ति उन विद्यालयों में अपनी संतान के दाखिले की बात सोच भी नहीं सकता है। फलस्वरूप देश की बड़ी सेवायें कुछ परिवारों के हाथों में केन्द्रित होती जा रही हैं। आज जहाँ करोड़ों की संख्या में लोग बेरोजगार हैं, वहाँ एक एक परिवार में पांच-पाँच आई० ए० एस०, एवं आई० पी० एस० हैं। ये पब्लिक स्कूलों की ही देन है।

आम विद्यालय का स्तर इतना नीचे गिर गया है कि उस विद्यालय से पढ़ा छात्र क्लर्क भी नहीं बन पाता है। एक तरफ पब्लिक स्कूल और दूसरी ओर सामान्य विद्यालय, यह संविधान के समानता के सिद्धान्त के प्रतिकूल है।

अतः सरकार के मांग है कि समान शिक्षा लाने हेतु संविधान में अविलम्ब संशोधन कर पब्लिक स्कूलों की समाप्ति करे और सामान्य विद्यालय की पढ़ाई का स्तर ऊँचा कर के कम से कम केन्द्रीय विद्यालय के स्तर तक लाए।

(viii) Demand for declaration of Ramanavami as a Gazetted Holiday.

श्री सत्यनारायण जटिया (उज्जैन): उपाध्यक्ष महोदय, इस वर्ष दिनांक 21 अप्रैल को मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का जन्मदिन है। भगवान श्री राम की जयन्ती "रामनवमी" सारे देश में उत्साहपूर्वक मनाई जाती है। सम्पूर्ण हिन्दू समाज श्री राम को श्रद्धा और भक्ति से स्मरण कर, पूजा-पाठ, व्रत-उपवास तथा चिन्तन-मनन कर अपनी आत्मा की शुद्धि के लिये आराधना करता है। किन्तु इस पुनीत पर्व पर सरकारी अवकाश घोषित नहीं किया गया है।

हमारा देश धर्म निरपेक्ष है। धर्म निरपेक्षता का अर्थ धर्मशून्यता नहीं है। हम सब धर्मों का, उनके महापुरुषों का तथा धर्मग्रन्थों का समान रूप से सम्मान करते हैं। धर्म निरपेक्षता का अर्थ सर्व धर्म समभाव है। हमारे संविधान ने सामाजिक समता और धार्मिक स्वतन्त्रता को महत्व दिया है। हम विविधता में एकता और एकता में एकात्मता विश्वास करते हैं।

हम महात्मा गांधी के सपनों का भारत निर्माण करना चाहते हैं। महात्मा गांधी स्वतन्त्र भारत में राम राज्य स्थापित करना चाहते थे।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम भारतीय संस्कृति के प्रतीक हैं जिनकी कृति की स्मृति अतीव आवश्यक है।

विश्व हिन्दू परिषद ने महामहिम राष्ट्रपति जी को दस लाख से अधिक हस्ताक्षर युक्त एक ज्ञापन भेंट कर भगवान श्री राम के जन्मदिन को सरकारी अवकाश घोषित करने की मांग की है।

अतएव मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि "रामनवमी" के पावन पर्व पर सरकारी अवकाश घोषित कर देश की एकात्मक के प्रतीक